

| العلامة |       | عناصر الإجابة (الموضوع الأول)   |
|---------|-------|---|
| مجموعة  | مجزأة |   |
| 02 ن    | 01    | <p><b>الجزء الأول (12 نقطة)</b></p> <p>(1) - شرح الوسيلة: بكر الصفات الحسنة، للمؤمنين وما ينالهم من جزاء وأجر يوم القيامة، حتى يُقتدى بهم في صفاتهم.</p> <p>- ذكر سببين من أسباب الانحراف عن العقيدة الصحيحة.</p> <p>- الجهل بأصول العقيدة ومعانيها.</p> <p>- التقليد الأعمى للموروثات.</p> <p>- الغفلة عن تدبر الآيات الكونية والقرآنية.</p> <p>- الانغماس في الملذات والشهوات.</p> <p>ملاحظة: يُكتفى بذكر سببين صحيحين فقط.</p>   |
|         | 2×0.5 | <p>(2) اعتقادات اليهود والنصارى في الأنبياء:</p> <p>■ اعتقادات اليهود في الأنبياء:</p> <p>- نُسِبَتْ الزَّدة وعبادة الأصنام لسليمان عليه السلام.</p> <p>- نُسِبَتْ الفواحش كشرب الخمر والزنا للوط وداود عليهما السلام.</p> <p>- نُسِبَتْ الاحتيال وأخذ النبوة والبركة ليعقوب مع أبيه إسحاق على حساب أخيه عيسو عليه السلام.</p> <p>ملاحظة: إذا ذكرت الاعتقادات اجمالا تعتبر الإجابة صحيحة [كوصف الأنبياء بصفات لا تليق بالنبوة (مثل: الشرك، وشرب الخمر...)].</p> <p>■ اعتقادات النصارى في الأنبياء:</p> <p>- التثليث: فهم يزعمون أن المسيح ابن الله.</p> <p>- الخطيئة والخلاص: فهم يزعمون أن المسيح عيسى عليه السلام، صُلب فداءً وتخليصا للبشرية من خطيئة أبيهم آدم عليه السلام.</p> <p>- زعمهم أن النبي محمد صلى الله عليه وسلم ليس نبيا.</p> <p>ملاحظة: يُكتفى بذكر اعتقادين صحيحين فقط.</p> |
| 02 ن    | 2×0.5 | <p>(3) أ- استخراج قسمين من أقسام المقاصد الشرعية مع ذكر مثال من الآية على كل واحد منهما:</p> <p>- المقصد الضروري: - حفظ الدين.</p> <p>- المقصد التحسيني: - الدعوة إلى مكارم الأخلاق: كالانفاق، الوفاء بالعهد، الصبر، الصدق والتقوى ...</p> <p>- المثال من الآية على حفظ الدين:</p> <p>• الدعوة إلى العقيدة الصحيحة: ﴿مَنْ آمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَآمَنَ بِالْمَلَائِكَةِ وَالْكِتَابِ وَالنَّبِيِّينَ﴾</p> <p>• تشريع العبادات: ﴿وَأَقِمَّ الصَّلَاةَ وَآتَى الزَّكَاةَ﴾</p> <p>- المثال من الآية على حفظ المقصد التحسيني:</p> <p>• ﴿وَالْمُؤْمِنُونَ بَعَثَهُمْ إِذَا عَاهَدُوا وَالصَّادِقِينَ فِي الْبَأْسَاءِ وَالصَّرَاءِ وَحِينَ الْبَأْسِ أُولَئِكَ الَّذِينَ صَدَقُوا وَأُولَئِكَ هُمُ الْمُتَّقُونَ﴾</p> <p>ملاحظة: يُكتفى بذكر قسم المقصد فقط.</p>                   |
|         | 0.5   | <p>ب- الربط بين طرق الحفاظ على الصحة النفسية ونص الآية:</p> <p>(1) الفهم الصحيح للوجود والمصير:</p> <p>﴿لَيْسَ الْبِرُّ أَنْ تُولُوا وَجُوهَكُمْ قَلَّ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ وَلَكِنَّ الْبِرَّ مَنْ آمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ﴾</p> <p>(2) تقوية الصلة بالله تعالى تعالى:</p> <p>• بالذكر والعبادات: ﴿وَأَقِمَّ الصَّلَاةَ وَآتَى الزَّكَاةَ﴾</p> <p>• بالتركية والأخلاق: ﴿وَالْمُؤْمِنُونَ بَعَثَهُمْ إِذَا عَاهَدُوا وَالصَّادِقِينَ فِي الْبَأْسَاءِ وَالصَّرَاءِ وَحِينَ الْبَأْسِ أُولَئِكَ الَّذِينَ صَدَقُوا وَأُولَئِكَ هُمُ الْمُتَّقُونَ﴾</p>  |
| 04.5 ن  | 0.5   |   |
|         | 0.5   |   |
| 04.5 ن  | 0.5   |   |
|         | 2×0.5 |   |
| 04.5 ن  | 2×0.5 |   |
|         | 2×0.5 |   |

| العلامة  |  | عناصر الإجابة (الموضوع الأول)  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|--|--|--|--------------------|-----------------------------|-----------------------------|--|---|---|---------------------|-----------------------------|--|--------------------------------|--|-----------------------------|--|--|--|--|
| مجموعة   | مجزأة  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 02.5 ن   | 0.5  | (4) أ- معنى الأمانة: شعور الإنسان بمسؤوليته عما أُوكل إليه، والوفاء بجميع تعهّداته، مع إدراكه الجازم أنّه محاسب عن ذلك أمام ربه.   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | 0.5  | ملاحظة: يقبل كل مفهوم صحيح للأمانة.  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | 0.5  | - تصنيفها: قيمة فردية  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | 2×0.5  | ب- القيمة: الصدق.  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 01 ن   |  | - أثرها:   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | - نيل محبة الله تعالى ورضوانه في الدنيا والآخرة.   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | - تحقيق الطمأنينة والراحة النفسية  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | - كسب الأجر والثواب.   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 05 ن   |  | - زيادة الثقة بين الناس.   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | - تعزيز العلاقات الاجتماعية  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | ملاحظة: يكتفى بأثرين صحيحين فقط.   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | (5) استخراج الحكم والفائدة من الآية:   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | <table><tr><th>الأحكام</th><th>الفوائد</th></tr><tr><td>- وجوب الإيمان بالله تعالى.</td><td>- بيان أوجه إنفاق المال في الإسلام.</td></tr><tr><td>- استحباب الإنفاق في سبيل الله.</td><td>- الحثّ على الوفاء بالعهد.</td></tr><tr><td>- وجوب إقام الصلاة.</td><td>- التأكيد على أهميّة الصدق.</td></tr><tr><td>- وجوب إيتاء الزكاة.</td><td>- الدّعوة إلى تقوى الله تعالى.</td></tr></table>  | الأحكام            | الفوائد                     | - وجوب الإيمان بالله تعالى. | - بيان أوجه إنفاق المال في الإسلام.                        | - استحباب الإنفاق في سبيل الله.   | - الحثّ على الوفاء بالعهد.  | - وجوب إقام الصلاة. | - التأكيد على أهميّة الصدق. | - وجوب إيتاء الزكاة.   | - الدّعوة إلى تقوى الله تعالى. |  |                             |  |  |  |  |
| الأحكام  | الفوائد  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| - وجوب الإيمان بالله تعالى.                              | - بيان أوجه إنفاق المال في الإسلام.  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| - استحباب الإنفاق في سبيل الله.                          | - الحثّ على الوفاء بالعهد.   |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| - وجوب إقام الصلاة.                                      | - التأكيد على أهميّة الصدق.  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| - وجوب إيتاء الزكاة.                                     | - الدّعوة إلى تقوى الله تعالى.   |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | ملاحظة: يقبل كل حكم أو فائدة صحيحة، على أن تُصحّح الإجابة الأولى فقط.  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | الجزء الثاني:(08 نقاط)   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | (1) أ-نوع العقوبات:  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 05 ن   | 0.5  | <table><tr><th>النوع</th><th>الحدود</th></tr><tr><td>وقت التنفيذ</td><td>ينفذ هذا النوع من العقوبات إذا وصل أمر الجريمة إلى القضاء.</td></tr><tr><td>التعليل</td><td>. لأنّ حق الله تعالى غالب في الحدود.<br/>. لأنّه أصبح من الحق العام.</td></tr></table>  | النوع              | الحدود                      | وقت التنفيذ                 | ينفذ هذا النوع من العقوبات إذا وصل أمر الجريمة إلى القضاء. | التعليل   | . لأنّ حق الله تعالى غالب في الحدود.<br>. لأنّه أصبح من الحق العام. |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | النوع  | الحدود   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | وقت التنفيذ  | ينفذ هذا النوع من العقوبات إذا وصل أمر الجريمة إلى القضاء.   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | التعليل  | . لأنّ حق الله تعالى غالب في الحدود.<br>. لأنّه أصبح من الحق العام.  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 01   |  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 01   |  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  |  | ب- التّحديد:   |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 05 ن   | 3×0.5  | <table><tr><th>عقوبة الزّنى</th><th>عقوبة السّرقه</th><th>عقوبة شرب الخمر</th><th></th></tr><tr><td>100 جلده لغير المحصن،<br/>والرّجم حتّى الموت للمحصن.<br/>(تقبل إجابة عقوبة الجلد فقط)</td><td>قطع اليد</td><td>40 جلده أو 80 جلده</td><td>المقدار</td></tr><tr><td colspan="3">قال ﷺ: ﴿وَأَيُّمُ اللَّهِ لَوْ أَنَّ فَاطِمَةَ بِنْتُ مُحَمَّدٍ سَرَقَتْ لَقَطَعْتُ يَدَهَا﴾ (متفق عليه)</td><td>دليل عقوبة السّرقه من السنه</td></tr><tr><td colspan="3">ملاحظة : يقبل كل دليل صحيح من السنه يدل على عقوبة السرقه</td><td></td></tr></table> | عقوبة الزّنى       | عقوبة السّرقه               | عقوبة شرب الخمر             |  | 100 جلده لغير المحصن،<br>والرّجم حتّى الموت للمحصن.<br>(تقبل إجابة عقوبة الجلد فقط) | قطع اليد  | 40 جلده أو 80 جلده  | المقدار                     | قال ﷺ: ﴿وَأَيُّمُ اللَّهِ لَوْ أَنَّ فَاطِمَةَ بِنْتُ مُحَمَّدٍ سَرَقَتْ لَقَطَعْتُ يَدَهَا﴾ (متفق عليه) |                                |  | دليل عقوبة السّرقه من السنه | ملاحظة : يقبل كل دليل صحيح من السنه يدل على عقوبة السرقه |  |  |  |
|  | عقوبة الزّنى   | عقوبة السّرقه  | عقوبة شرب الخمر    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | 100 جلده لغير المحصن،<br>والرّجم حتّى الموت للمحصن.<br>(تقبل إجابة عقوبة الجلد فقط)                      | قطع اليد   | 40 جلده أو 80 جلده | المقدار                     |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
|  | قال ﷺ: ﴿وَأَيُّمُ اللَّهِ لَوْ أَنَّ فَاطِمَةَ بِنْتُ مُحَمَّدٍ سَرَقَتْ لَقَطَعْتُ يَدَهَا﴾ (متفق عليه) |  |                    | دليل عقوبة السّرقه من السنه |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| ملاحظة : يقبل كل دليل صحيح من السنه يدل على عقوبة السرقه |  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |
| 01   |  |  |                    |                             |                             |  |   |   |                     |                             |  |                                |  |                             |  |  |  |  |

|        |     |   |
|--------|-----|---|
| 01.5 ن | 0.5 | <p>(2) حكم القاضي بالقصاص والدية حال الاعتداء على النفس:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>- يحكم بالقصاص حال الاعتداء العمد كعقوبة أصلية.</li> <li>- يحكم بالدية حال العفو في الاعتداء العمد كعقوبة بديلة.</li> <li>- يحكم بالدية حال الاعتداء الخطأ كعقوبة أصلية.</li> </ul> |
|        | 0.5 |   |
|        | 0.5 |   |
| 01.5 ن | 0.5 | <p>(3) أ - إمكانية تفسير العقل: لا يمكنه ذلك.</p> <p>ب- التعليل:</p> <p>العقل لا يفسر حدّ مقدار العقوبات كالقصاص والحدود لأنها من الأمور التعبدية المحضة.</p> <p>لأن تحديد مقدار العقوبات ثبت بنص شرعي.</p>   |
|        | 01  | <p>ملاحظة: يقبل تعليل واحد.</p>   |
|        |     |   |

| العلامة |       | عناصر الإجابة (الموضوع الثاني)  |
|---------|-------|---|
| مجموعة  | مجزأة |   |
| 1.5 ن   | 3×0.5 | <p><b>الجزء الأول: (12 نقطة)</b></p> <p><b>(1) تعريف الصحابي راوي الحديث:</b> يتضمّن:</p> <ul style="list-style-type: none"><li>- اسمه ونسبه: عبد الرّحمان بن صخر الدّوسي نسبة إلى قبيلة دوس باليمن.</li><li>- إسلامه: أسلم عام خيبر في السّنة السّابعة للهجرة.</li><li>- مناقبه: شدّة ملازمته للنبي ﷺ /من أكثر الصّحابة حفظاً وروايةً للحديث وذلك ببركة دعاء النبي ﷺ له/كان والياً على البحرين/اشتهر بالخطابة.</li><li>- مروياته: روى 5374 حديثاً.</li><li>- تُوفي سنة 57 أو 58 للهجرة في المدينة المنورة ودفن بالقيع.</li></ul> <p><b>ملاحظة: لابد من ذكر ثلاث معلومات صحيحة.</b></p> |
|         | 0.5   | <p><b>(2) أ) تعريف العقيدة:</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>- لغة: من العقد وهو الشّد والربط بقوة.</li><li>- اصطلاحاً: التّصديق الجازم بوجود الله عزّ وجل وما يجب له من التّوحيد في ألوهيته وربوبيته وأسمائه وصفاته، والإيمان بملائكته وكتبه ورسله واليوم الآخر والقدر خيره وشرّ.</li></ul> <p><b>ملاحظة: يقبل كل تعريف صحيح للعقيدة.</b></p>   |
|         | 01    | <p><b>(ب) - شرح أثر من آثار العقيدة على الفرد:</b></p> <p><b>(1) تُعرّف الإنسان على ذاته ومصيره.</b></p> <p><b>(2) الطّمأنينة والاستقرار النّفسي.</b></p> <p><b>(3) الاستقامة والبعد عن الانحراف والجريمة.</b></p> <p><b>- شرح أثر من آثار العقيدة على المجتمع:</b></p> <p><b>(1) الأخوة والتّضامن.</b></p> <p><b>(2) الصّلاح والإصلاح.</b></p> <p><b>(3) تحقّق الأمن.</b></p>  |
|         | 01    | <p><b>ملاحظة: . يقبل كلّ شرح صحيح لأحد هذه الآثار.</b></p> <p><b>. إذا ذكر الأثر فقط من غير شرح تعطى نصف العلامة.</b></p>   |
| 3.5 ن   | 01    | <p><b>(3) أ) استنباط مقصدين ضروريين، وبيان موضع الشّاهد من الحديث.</b></p>  |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
| 4×0.5   | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         | 01    |   |
|         |       |   |

| العلامة  |  | عناصر الإجابة (الموضوع الثاني)   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|--|--|--|--|--------|---------|--|-----------------|-------------------------|--------|--|---------|---|
| مجموعة   | مجزأة  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| 03 ن   | 2×0.5  | ب) تسمية نوع العقوبة التي تحفظ المقصدين المستخرجين:  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | <table><tr><th>نوع العقوبة</th><th>المقصد</th></tr><tr><td>التعزيز</td><td>حفظ الدين: "السحر" "التولي يوم الرّحف"</td></tr><tr><td>القصاص أو الدية</td><td>حفظ النفس: " قتل النفس"</td></tr><tr><td>الحُدّ</td><td>حفظ النّسل: "قذف المحصنات المؤمنات الغافلات"</td></tr><tr><td>التعزيز</td><td>حفظ المال: "أكل الرّبا"، "أكل مال اليتيم"</td></tr></table> | نوع العقوبة                            | المقصد | التعزيز | حفظ الدين: "السحر" "التولي يوم الرّحف" | القصاص أو الدية | حفظ النفس: " قتل النفس" | الحُدّ | حفظ النّسل: "قذف المحصنات المؤمنات الغافلات" | التعزيز | حفظ المال: "أكل الرّبا"، "أكل مال اليتيم" |
|  |  | نوع العقوبة  | المقصد                                 |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | التعزيز  | حفظ الدين: "السحر" "التولي يوم الرّحف" |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | القصاص أو الدية  | حفظ النفس: " قتل النفس"                |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| الحُدّ   | حفظ النّسل: "قذف المحصنات المؤمنات الغافلات"                               |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| التعزيز  | حفظ المال: "أكل الرّبا"، "أكل مال اليتيم"                                  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| ملاحظة: تقبل الإجابة على المقصدين اللذين استخرجهما المترشح فقط.  |  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| (4) أ) مفهوم القيم: هي مجموعة المبادئ والأخلاق والمثل العليا التي نزل بها الوحي، لتحديد علاقة الإنسان بنفسه ومحيطه وخالفه. |  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| ب) تصنيف قيمة المعاشرة بالمعروف: هي من القيم الأسرية والاجتماعية.  |  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| 02 ن   | 0.5  | - شرحها: هي المصاحبة بإحسان، مع كفّ الأذى واحتمال الأذى بغرض تحقيق الأمن والاستقرار، ونشر الألفة بين أفراد الأسرة والمجتمع.  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 0.5  | ملاحظة: يقبل تصنيف (المعاشرة بالمعروف) كقيمة أسرية فقط، ويقبل كل شرح صحيح.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 01   | (5) -استخراج حُكمين وفائدتين من النص:  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| 02 ن   | 2×0.5  | أ) الحُكمان:   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 1) وجوب اجتناب الموبقات التي حذرّ منها النبي ﷺ.  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 2) تحريم الشّرك بالله تعالى.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 3) تحريم السّحر.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 4) تحريم قتل النفس التي حرّم الله إلّا بالحقّ.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 5) تحريم الرّبا.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 6) تحريم أكل مال اليتيم.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  |  | 7) تحريم التّولي يوم الرّحف.   |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 8) تحريم قذف المحصنات المؤمنات الغافلات.                                   |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | ب) الفائدتان:  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| 2×0.5  | 1) تحذير النبي ﷺ أمّته من الموبقات السّبع.                                 |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 2) رأفة الرّسول ﷺ ورحمته بأمتّه حيث يدلّهم على الخير.                      |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 3) حُصّ الأكل بالذّكر في الرّبا لأنّه أعظم أنواع الانتفاع.                 |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 4) الشّرك بالله من أكبر الكبائر ولذلك قُدّم في التّحذير على باقي الموبقات. |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 5) الدّعوة إلى الابتعاد عن الموبقات وكبائر الذّنوب.                        |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
|  | 6) بيان خطورة السّحر على الفرد والمجتمع.                                   |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |
| ملاحظة: يقبل كل حكم أو فائدة صحيحة، على أن تُصحّح الإجابة الأولى فقط.  |  |  |  |        |         |  |                 |                         |        |  |         |   |

| العلامة                 |                       | عناصر الإجابة (الموضوع الثاني)  |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
|-------------------------|-----------------------|---|---|-------------------|------------|----------------|-------------|---------------------|---------------|-----------------------|-------|-------|-----------------|---|
| مجموعة                  | مجزأة                 |   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| 02 ن                    | 0.5                   | الجزء الثاني:(08 نقاط)<br>(1) -الخاصية المتضمنة في السند للرسالة المحمدية هي: عامة تخاطب جميع الناس.<br>- عدّ بقيّة الخصائص:<br>(1) جامعة لثمرات ومحاسن الرسائل السابقة.<br>(2) خالدة غير مرهونة بزمن معيّن.<br>(3) تكفل الله تعالى بحفظها.   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
|                         | 3×0.5                 | (2) ترتيب الحقوق المتعلقة بالتركة وشروط استحقاقها وموانع الميراث في جدول:   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
|                         | 2×0.5                 | <table><tr><td>الحقوق المتعلقة بالتركة</td><td>تنفيذ وصية الميّت</td><td>قضاء ديونه</td></tr><tr><td>شروط استحقاقها</td><td>وفاة المورث</td><td>العلم بدرجة القرابة</td></tr><tr><td>موانع الميراث</td><td>الشك في أسبقية الوفاة</td><td>الكفر</td></tr></table>  | الحقوق المتعلقة بالتركة   | تنفيذ وصية الميّت | قضاء ديونه | شروط استحقاقها | وفاة المورث | العلم بدرجة القرابة | موانع الميراث | الشك في أسبقية الوفاة | الكفر |       |                 |   |
| الحقوق المتعلقة بالتركة | تنفيذ وصية الميّت     | قضاء ديونه  |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| شروط استحقاقها          | وفاة المورث           | العلم بدرجة القرابة   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| موانع الميراث           | الشك في أسبقية الوفاة | الكفر   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| 03 ن                    | 2×0.5                 |   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
|                         | 2×0.5                 |   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
|                         | 2×0.5                 |   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| 03 ن                    | 3×0.5                 | (3) الفرق بين الميراث والوقف:   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
|                         | 3×0.5                 | <table><tr><td>الميراث</td><td>الحكم</td><td>المقدار</td><td>جهة الاستحقاق</td></tr><tr><td>واجب/مشروع</td><td>محدد شرعا</td><td>الورثة فقط</td><td></td></tr><tr><td>الوقف</td><td>مستحب</td><td>حسب رغبة الواقف</td><td>. الموقوف عليهم سواء من الورثة أو من غيرهم أو يكون للصالح العام</td></tr></table> | الميراث   | الحكم             | المقدار    | جهة الاستحقاق  | واجب/مشروع  | محدد شرعا           | الورثة فقط    |                       | الوقف | مستحب | حسب رغبة الواقف | . الموقوف عليهم سواء من الورثة أو من غيرهم أو يكون للصالح العام |
|                         | الميراث               | الحكم   | المقدار   | جهة الاستحقاق     |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| واجب/مشروع              | محدد شرعا             | الورثة فقط  |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| الوقف                   | مستحب                 | حسب رغبة الواقف   | . الموقوف عليهم سواء من الورثة أو من غيرهم أو يكون للصالح العام |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |
| 3×0.5                   |                       |   |   |                   |            |                |             |                     |               |                       |       |       |                 |   |